मिस मोनिका

प्रेषक : अरमान सिंह ऐम्मी

हाय दोस्तो !

मैं हूँ अरमान सिंह ५"१०' मस्त गोरा चिट्टा ! और लंड का आकार है ८ इंच और लड़की को चाहिए भी क्या?

ये बात तब की है जब मैं ११वीं में पढ़ता था। मेरे स्कूल में अंग्रेज़ी की अध्यापिका थी- मिस मोनिका दीक्षित !

क्या कयामत थी यार ! देखते ही मुँह में पानी आ जाता था ! मैडम को जो भी एक बार देख ले, उसकी पहली ख्वाहिश मैडम को चोदने की ही होगी।

वैसे मैडम का फिगर साइज़ ३६सी-३०-३८ होगा।

अब बताता हूँ मैडम को चोदने की शुरुआत कहां से हुई।

मैं एक तो ग्वालियर में अकेला रहता था और अंग्रेज़ी में बहुत कमजोर था, यह बात मैडम को मालूम थी। उन्होंने मुझे एक दो बार घर पर पढ़ने की पेशकश की थी इसलिए मैं उनके घर पढ़ने जाया करता था। मेरा पढाई में कम और मैडम के स्तनों पर ध्यान ज्यादा रहता था। यह बात मैडम नोटिस कर चुकी थी, लेकिन कुछ बोलती नहीं थी बस हंस देती थी।

एक दिन मैडम ने कहा- आज जल्दी आ जाना !

मैंने भी हाँ बोल दी और २ घंटे पहले पहुँच गया।

मुझे बाद में मालूम चला कि मैडम के घर वाले उस दिन भोपाल जा रहे थे दो-तीन दिन के लिए शादी में।

उनके जाने के बाद मैडम ने पढ़ाना शुरू किया। आधा घंटा निकला ही था कि मैडम बोली- चाय पियोगे?

मैंने हाँ में सर हिला दिया।

और मैडम चली गई। थोड़ी देर के बाद जब मैडम आई तो भाई विश्वास मानो, क्या लग रही थी !

क्योंकि वो हाथ में ट्रे लिए गुलाबी नाईटी में थी, सब कुछ साफ़ साफ़ दिख रहा था, मेरा भी खड़ा होने लगा था।

मैडम सामने बैठ गई और पढ़ाने लगी। लेकिन मेरा मन पढ़ाई में बिल्कुल भी नहीं लग रहा था।

मैडम भी समझ चुकी थी, वो खुद ही बोली- क्या बात है? आज पढ़ना नहीं है क्या?

मैंने मना कर दिया और कहा- अगर सामने इतनी सुन्दर लड़की बैठी हो तो कौन पढ़ना चाहेगा !

इस पर मैडम ने कहा- चलो ! आज मैं तुम्हें कुछ और पढ़ाती हूँ !

और मैडम मुझे अपने कमरे में ले गई और कहा- अपनी पैन्ट उतारो !

कसम से दोस्तों कुछ देर के लिए मैं सोचने पर मजबूर हो गया कि मिस मोनिका करने क्या वाली है? लेकिन थोड़ी से खुशी भी थी कि शायद आज कुछ और ही हो जाये !

मैंने पैन्ट उतार दी। अब मैं उनके सामने केवल अंडरवियर में था !

मैडम ने पास आकर कहा- यह क्या है?

Copyright © Indian Porn Empire - 2008. All Rights Reserved.

मैंने बोला- सॉरी मैडम ! आपको देख कर कण्ट्रोल नहीं कर पाया !

इस पर मैडम ने कहा- कोई बात नहीं होता है !

फिर मैडम ने मेरा ८ इन्च लम्बा लौड़ा निकाला और दबाने लगी। मुझे मज़ा आ रहा था, फिर मैं मैडम के होठों पर किस करने लगा तो मैडम ने भी खुल कर साथ दिया, वो भी किस करने लगी। अब मेरा हाथ धीरे धीरे उनके स्तनों पर पहुँच गया था। १० मिनट के बाद मैंने मैडम के कपड़े उतारना चालू किया। अब मैडम मेरा सामने केवल ब्रा और पैंटी पहने थी।

बिल्कुल सच कि एकदम दूध की तरह जिस्म था- एक दम गोरा-सफ़ेद !

फिर धीरे धीरे ब्रा और पैंटी भी उतार दी, अब मैडम मेरे सामने एक दम नंगी खड़ी थी, हम दोनों अब बिस्तर पर आ गए।

फिर मैं मैडम के स्तनों को बुरी तरह से मसल रहा था तो मैडम ने कहा- आराम से करो ! मैं कौन सा भागी जा रही हूँ ! .और ६९ की अवस्था में थे

मैंने कहा- सॉरी मैडम !

तो उन्होंने फिर से डांट दिया और कहा- नो मैडम ! केवल मोनिका !

मैंने कहा- ठीक है मोनिका डार्लिंग ! सच में तुम बहुत सेक्सी हो, मैं ना जाने कब से तुम्हें चोदना चाहता था और आज मौका मिला है, आज नहीं छोड़ूंगा !

फिर मोनिका भी कहाँ चुप रहने वाली थी, वो बोल पड़ी- देखते हैं मादरचोद ! आज कौन किस को चोदता है?

फिर क्या था हम करीब १५ मिनट तक एक दूसरे को चूमते और सहलाते रहे। मोनिका के मुँह से आवाज आने लगी थी अऽऽ आऽऽऽ अऽऽऽइऽईऽऽऽइए .... अ अऽऽऽस !

अब मैं समझ चुका था कि मोनिका चुदने के लिए मचल रही है। मैंने उनकी कमर के नीचे तकिया लगाया और लंड उनकी चूत पर रख कर अन्दर घुसाने लगा लेकिन हर बार फिसल जाता तो मोनिका बोली- क्यों पहले कभी किसी को चोदा नहीं है क्या ?

मैंने मना कर दिया और कहा- नहीं चोदा ! केवल ब्लु फ़िल्म ही देखी है ....

तो वो मुझे नीचे लिटा कर खुद ही ऊपर आ गई और अपनी चूत में मेरा लंड डालने लगी। पहली बार अपना केवल २ इंच ही अन्दर गया और दो-चार शोट के बाद मेरा लंड उनकी चूत की गहराई नापने लगा था और करीब १० मिनट तक मोनिका मुझे चोदती रही। जब वो थक गई तो उन्होंने मुझे चोदने के लिए बोला। इस बीच वो एक बार झड़ चुकी थी।

अब अपन ऊपर और वो नीचे थी। मैंने भी उन्हें पूरे दम से चोदा, पूरे कमरे फच फच अ अ अ अ अ अ..........अफ अफा ऐया अ इ इ इ...................की आवाजें आ रही थी। मैं उस वक़्त अपने आप को बहुत खुशनसीब समझ रहा था क्योंकि पूरा स्कूल उन्हें देखकर आहें भरता था और आज वो मेरे लंड के नीचे हैं।

मैंने उन्हें फिर डौगी स्टाइल में चोदा। अब मोनिका फिर से गालियाँ दे रही थी- मादरचोद ! फाड़ डाल मेरी चूत को ! भोसड़ा बना दे आज इसका ! बहुत परेशान करती है माँ की लौड़ी ! आजा मेरे राजा ! मेरी बांसुरी बजा दे !

जवाब में मैं भी गाली दे रहा था- हाँ मेरी रांड मैडम ! तुझे मैं ही चोदूंगा ! आजा तेरी प्यास ऐसी बुझाऊंगा कि खड़ी तक ना हो पायेगी !

और गाली देते देते मोनिका का शरीर ऐंठने लगा और वो कहने लगी- मेरे राजा ! मैं आ रही हूँ ! मैं आई आई आई आहँ आह !

और वो झड़ गई अब मैं भी झड़ने वाला था और मुझे लगा कि अब मेरा निकलने वाला है तो मैंने लंड बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन मोनिका ने मना कर दिया और कहा- मेरे ३ दिन पहले ही मासिक ख़त्म हुई है इसलिए तुम मेरी चूत में ही अपना पानी छोड़ो !

Copyright © Indian Porn Empire - 2008. All Rights Reserved.

अब मैंने भी आखिरके ८-१० शोट पूरे दम से लगाये और उनकी चूत में ही झड़ गया और उन्हीं के ऊपर गिर पड़ा और बूब्स मसकने लगा।

मोनिका मुझे किस करने लगी और बाद मेरा लंड मुँह में लेकर साफ़ किया।

उसके बाद मोनिका सीधे बाथरूम में मूतने के लिए जा रही थी तो मैं भी साथ में चला गया और उन्हें मूतते हुए देखने लगा और मैं भी मूतने लगा ..

फिर हम दोनों साथ में बाहर आये तो मोनिका बोली- आज की क्लास कैसी लगी?

मैंने कहा- बहुत अच्छी !

और मोनिका को किस करने लगा ...

उसके बाद में मोनिका के घर दो दिन तक रूका और ना जाने कितनी बार चोदा कब चोदा। क्योंकि हम दो दिन तक बिना कपड़ों के ही घर में रहे थे, जब भी लंड खड़ा होता या मोनिका की फुद्दी में खुजली होती हम एक दूसरे में समां जाते ....

तो दोस्तो, कैसी लगी मेरी कहानी?

मुझे जरूर बताना और उसके बदले में मैं आपको अपनी अगली कथा बताऊंगा।

love4girls36_arman@yahoo.co.in २५ जून, २००९

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय !

टूटे से फ़िर ना मिलै, मिलै गाँठ परि जाय !

Copyright © Indian Porn Empire - 2008. All Rights Reserved.